अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 14.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खंड)–40

प्र. 1 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) दृष्टान्त द्वार के आधार पर जीव-अजीव और बन्ध द्वार को समझाएं।

(ख) विस्तार द्वार प्रारंभ से लेकर तीन वर्गों तक लिखें।

(ग) द्रव्य, गुण, पर्याय का अर्थ बताते हुए गुण के प्रकारों का वर्णन करें।

(घ) औपशमिक और पारिणामिक भाव लिखें।

(ड़) विस्तार द्वार के आधार पर निर्जरा को समझाएं।

(च) नरकायु और नामकर्म बन्ध के कारण लिखें।

(छ) आत्मद्वार और परमात्मद्वार लिखें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) मोहनीय कर्म के क्षयोपशम से होने वाली अवस्थाएं लिखें।

(ख) कर्म किसे कहते हैं? ज्ञानावरणीय के भेद के नाम लिखें।

(ग) मोहनीय कर्म और अन्तरायकर्म के बन्ध के हेतु लिखें।

(घ) आयुष्य कर्म और नाम कर्म को उदाहरण से समझाएं।

(ड़) क्षायिक भाव को समझाएं।

(च) द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव, गुणद्वार से पुण्य, पाप, बन्ध को समझाएं।

(छ) हेय-ज्ञेय-उपादेय द्वार लिखें।

कर्म प्रकृति–35

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) कर्म की मुख्य दस अवस्थाओं को समझाएं।

(ख) गोत्र कर्म किसे कहते हैं? उसकी उत्तर प्रकृतियां बन्ध के हेतु, स्थिति, आबाधाकाल, लक्षण व कार्य लिखें।

(ग) अंतिम सात पिंड प्रकृतियों को समझाएं।

(घ) मोहनीय कर्म की परिभाषा लिखते हुए चारित्र मोह की प्रकृतियों को समझाएं।

(ड़) दर्शनावरणीय कर्म किसे कहते हैं तथा इसके भोगने के हेतु लिखें।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) वेदनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) असातवेदनीय का जघन्य बन्ध किसके होता है?

(ग) त्रस दशक व स्थावर दशक की प्रकृतियों के केवल नाम लिखें।

(घ) प्रत्येक प्रकृति नाम कर्म के बारे में लिखें।

(ड़) आयुष्य कर्म की स्थिति और अबाधाकाल के बारे में लिखें।

(च) अंतराय कर्म की उत्तर प्रकृतियां का वर्णन करें।

(छ) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्त कौन से हैं?

गीतिका (कर्मों की सज्झाय)–10

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) लक्ष्मण राम.....बीता रे।

(ख) सुभूम नामे.....ही नवि राख्यो रे।

(ग) साठ सहस्त्र.....फल ऐसा रे।

(घ) आभा नगरी.....नाख्यो ते फन्द रे।

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 2

(क) चक्रवर्ती राजकुमार कितने देशों का स्वामी था? कर्मों ने उसके साथ क्या किया?

(ख) सतियों में श्रेष्ठ कौन थी?

(ग) विमाता ने किसको मुर्गा बना दिया?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–15

प्र. 7 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें (प्रत्येग वर्ग से कोई दो-दो करें)– 12

पच्चीस बोल–

(क) ग्यारहवां बोल।

(ख) चौदहवां बोल–आश्रव, बन्ध।

(ग) बाईसवां बोल।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(घ) पांच योग किसमें व कौन से?

(ड़) सात कर्म किसमें व कौन से?

(च) तीन चारित्र किसमें व कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(छ) किस संवर के जीव कम, किस संवर के जीव अधिक?

(ज) राशि जीव या अजीव?

(झ) आयुष्य प्राण वाले जीव अधिक क्यों?

तत्त्व चर्चा–

(ञ) नौ तत्त्व में आज्ञा में कितने? आज्ञा के बाहर कितने?

(ट) जीवास्तिकाय छह में कौन? नौ में कौन?

(ठ) सामायिक पुण्य या पाप?

प्र. 8 कोई एक पद्य अर्थ सहित लिखें– 3

(क) सरधा दुर्लभ.....जमारो पाई रे।

(ख) सगला गिरि.....नहिं गामोगाम।